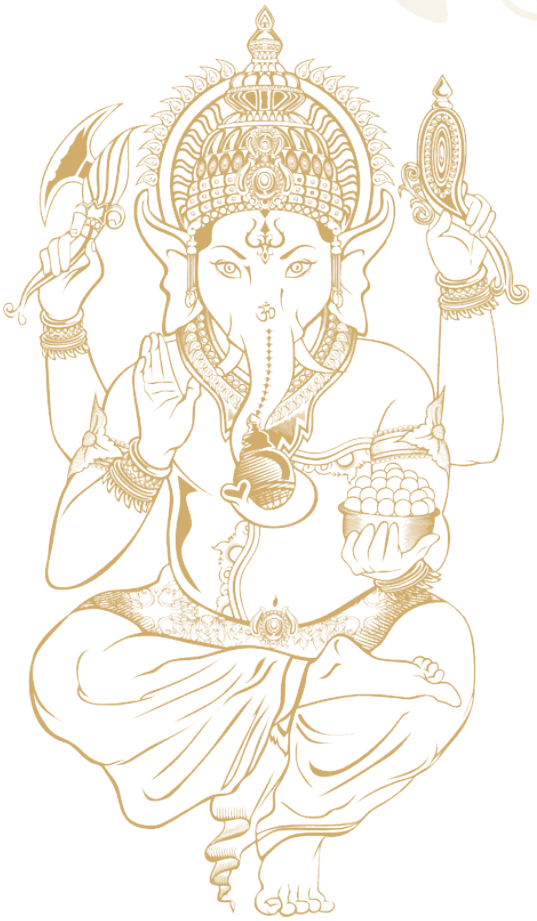

Satyam Shalu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121282504

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/11/1995	जन्म तिथि	19-20/04/1995
मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 13:30:00	जन्म समय	00:30:00 घंटे
घटी 16:31:02	जन्म समय(घटी)	46:40:44 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Muzaffarnagar
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:28:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:53:35	सूर्योदय	05:49:42
17:20:30	सूर्यास्त	18:47:44
23:48:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:38

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 6मा 28दि		28:12:33	कुंभ	लग्न	धनु	21:26:08	केतु 4वर्ष 7मा 27दि	
गुरु		11:48:16	वृश्चि	सूर्य	मेष	05:27:33	चन्द्र	
26/06/2017		29:51:08	मक	चंद्र	धनु	04:27:34	16/12/2025	
26/06/2033		04:29:54	धनु	मंगल	कर्क	23:01:55	16/12/2035	
गुरु	14/08/2019	14:40:16	वृश्चि	बुध	मेष	11:25:11	चन्द्र	16/10/2026
शनि	25/02/2022	28:02:26	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	21:04:23	मंगल	17/05/2027
बुध	02/06/2024	07:09:43	धनु	शुक्र	मीन	03:20:05	राहु	15/11/2028
केतु	09/05/2025	24:13:54	कुंभ	शनि	कुंभ	26:26:17	गुरु	17/03/2030
शुक्र	08/01/2028	01:58:02	तुला व	राहु	तुला	11:48:43	शनि	16/10/2031
सूर्य	26/10/2028	01:58:02	मेष व	केतु	मेष	11:48:43	बुध	17/03/2033
चन्द्र	25/02/2030	03:52:10	मक	हर्ष	मक	06:34:45	केतु	16/10/2033
मंगल	01/02/2031	29:45:47	धनु	नेप	मक	01:44:17	शुक्र	17/06/2035
राहु	26/06/2033	06:53:36	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	06:14:11	सूर्य	16/12/2035

लग्न-चलित

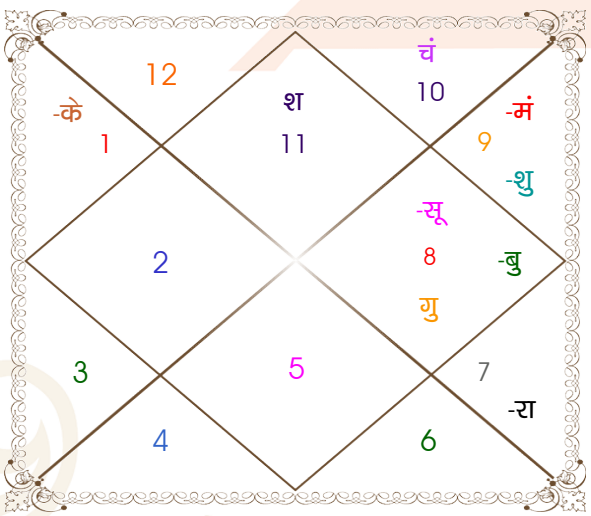

लग्न-चलित

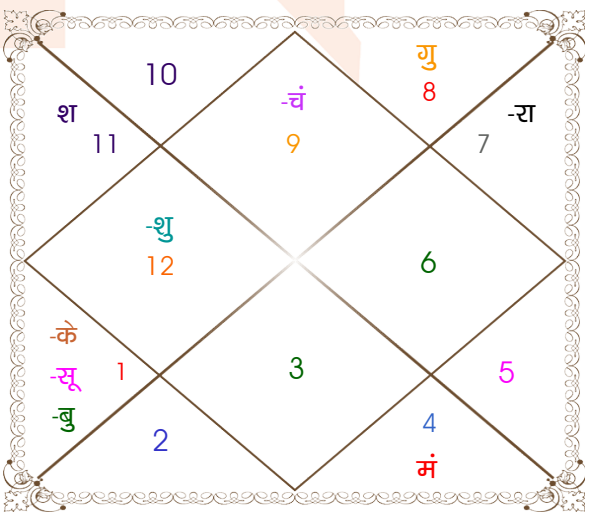

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Satyam का वर्ग मार्जार है तथा Shalu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Satyam और Shalu का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Satyam मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Shalu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Shalu कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Satyam कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Satyam तथा Shalu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।